The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 4 Volume - 2

June - August 2023

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 4 अंक | 2 जून– अगस्त, 2023

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ0प्र0)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 4 Volume - 2
June - August 2023

अन्वीक्षण
त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 4 अंक | 2 जून– अगस्त, 2023

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	विश्व साइकिल दिवस...	3
2.	नुक्कड़ नाटक का आयोजन	3
3.	'विश्व पर्यावरण दिवस' पर...	3–4
4.	विश्व रक्तदान दिवस का...	4
5.	योग के प्रति जागरूकता...	4–5
6.	अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस...	5
7.	शिक्षा मंथन 2023 में ..	5–6
8.	जननायक चन्द्रशेखर ...	6
9.	'उन्मेष शिक्षा मंथन 2023...	6–7
10.	पौधारोपण अभियान....	7
11.	पौधारोपण अभियान...	7
12.	नैक अभिमुखीकरण कार्यक्रम...	7
13.	बलिया में पर्यटन विकास पर...	8
14.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति...	8
15.	माननीय कुलाधिपति...	8–9
16.	विश्व स्तनपान दिवस..	9
17.	संकाय संवर्धन कार्यक्रम..	9–11
18.	एंटी रैलगग दिवस...	11
19.	स्वतंत्राता दिवस...	11–12
20.	जेएनसीयू में...	12
21.	बलिया बलिदान दिवस...	12–13
22.	प्रवेश परीक्ष...	13
23.	तुलसीदास जयंती...	13
24.	अंतरिक्ष सप्ताह...	14
25.	राष्ट्रीय सेवा योजना...	14–15
26.	National Seminar ...	15–16

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता
कुलपति

संपादक
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 सरिता पाण्डेय
डॉ0 नीरज सिंह
डॉ0 संदीप यादव
डॉ0 प्रवीण नाथ यादव
डॉ0 अभिषेक मिश्र

सम्पादक की कलम से...

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय अपने स्थापना काल से ही रचनात्मक, नवाचारी एवं प्रगतिगामी गतिविधियों का केंद्र रहा है। स्मरणीय है कि यह विश्वविद्यालय अपने विकास की आरंभिक चरण में है और ऐसी स्थिति में आवश्यक हो जाता है कि एक स्पष्ट कार्य-योजना के साथ निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कटिबद्ध होकर कार्य किया जाए। ऐसे में नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक हो जाती है।

यह सुखद है कि विश्वविद्यालय अपनी भावी कार्य-योजना एवं लक्ष्य को निर्धारित करें एवं प्राप्त करे, इसके लिए स्वयं माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल का 'विजन' बहुत स्पष्ट है। विश्वविद्यालय की गतिविधियों का वे निरंतर परीक्षण एवं पर्यवेक्षण कर उचित दिशा-निर्देश प्रदान करती हैं। इसी क्रम में जेएनसीयू की नैक तैयारियों की एक समीक्षा बैठक राजभवन में आयोजित हुई, जिसमें स्वयं माननीया ने प्रस्तुति को देखकर अपनी सलाह एवं सुझाव से हम सभी का मार्गदर्शन किया। यह महत्त्वपूर्ण है कि इस आयोजन के पूर्व राज्य के सभी विश्वविद्यालय की द्विदिवसीय कार्यशाला 'शिक्षाा मंथन 2023' नाम से आयोजित हो चुकी थी, जिसमें स्वयं माननीया पूरे समय उपस्थित रहीं थीं। इस आयोजन में नैक, क्यू.एस. एशिया और क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई थी और साथ ही प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुधार के लिये विभिन्न सुझाव भी दिए गए थे। जेएनसीयू के प्राध्यापकों की टीम माननीय कुलपति एवं कुलसचिव के साथ इस बैठक में उपस्थित थी।

इसके अतिरिक्त जेएनसीयू में निरंतर चलने वाली शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियाँ जैसे- विश्व रक्तदान दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, बलिया बलिदान दिवस, तुलसीदास जयंती,संकाय संवर्धन कार्यक्रम आदि का विवरण अन्वीक्षण के इस अंक में संकलित है ।

आशा है कि सुधी पाठकों का स्नेह एवं सुझाव हमे सदा प्राप्त होता रहेगा।

प्रमोद

डॉ0 (प्रमोद शंकर पाण्डेय)
सम्पादक

विश्व साइकिल दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण और निर्देशन में दिनांक 03 जून, 2023 को विश्व साइकिल दिवस मनाया गया जिसका मुख्य शीर्षक 'राइडिंग टुगेदर फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर' था। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन से एक साइकिल रैली निकाली गई जो बसन्तपुर गांव तक गयी और वहाँ जन जागरण का कार्य किया। कुलसचिव एस. एल. पाल ने बताया कि साइकिल एक सस्ता और टिकाऊ परिवहन है और समाज को स्वस्थ रखने का काम करती है और यह धूल व प्रदूषण को कम करके वातावरण को स्वच्छ और अनुकूल बनाने में उपयोगी है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लाल विजय सिंह ने बताया कि साइकिल से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि रोजाना साइकिल चला कर आप स्वयं को तो स्वस्थ रखेंगे ही तथा कई बीमारियों को भी दूर भगा सकते हैं और साथ ही अपने पर्यावरण को भी दूषित होने से बचा सकते हैं।

साईकिल रैली निकालते परिसर के विद्यार्थी

इस कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. अमित सिंह, सुश्री ट्विंकल वर्मा, श्रीमती पूजा सिंह, डॉ. अजीत जायसवाल, डॉ. करुणेश दूबे, डॉ. खुश्बू, डॉ. विनय कुमार, डॉ. आर. एन. सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. शशि प्रकाश शुक्ला एवं अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण और प्रभारी निदेशक शैक्षणिक डॉ0 अजय कुमार चौबे के निर्देशन में परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में दिनांक 04 जून, 2023 को नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनता को जागरूक करना था। 'पृथ्वी को बचाओ, हमारे पर्यावरण को बचाओ' यह समय की मांग है, हमें पृथ्वी को बचाने की जरूरत है। हम पर्यावरण को बचाने के लिए एकजुट हों, पौधों में निवेश करें और अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करें। इस सन्देश के साथ सभी ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाया। एन. एस. एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लाल विजय सिंह ने बताया कि पेड़ों की कटाई से एक दिन हम सभी को ऑक्सीजन, पानी, हवा आदि का संकट होगा। इस दौरान छात्रों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की गई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने कहा कि पेड़ों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। अगर मानव जीवन को खुशहाल बनाना है तो पौधरोपण करना जरूरी है। नुक्कड़ नाटक के मंचन में छात्र सचिन कुमार, कंचन चौहान, राधा गुप्ता आदि ने प्रमुख भूमिकाएं निभायीं।

'विश्व पर्यावरण दिवस' पर पौधरोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 05 जून, 2023 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पौधरोपण एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्रीमती केतकी सिंह तथा कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, एवं शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा परिसर में बरगद, नीम एवं पाकड़ आदि 51 वृक्ष लगाये गए, तत्पश्चात 'हरित जीवन शैली' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि बांसडीह की माननीय विधायक श्रीमती केतकी सिंह ने कहा कि हर वस्तु जिसका भी हम 'प्रपोजल' करते हैं उसका 'डिस्पोजल' होना भी अत्यंत जरूरी होता है तभी पृथ्वी का संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने जीवन और मृत्यु का उदाहरण देकर पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का सन्देश दिया। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग और उसके जीवन चक्र के बारे में बतलाया और इस पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हमें प्लास्टिक के

पौधरोपण करतीं श्रीमती केतकी सिंह, मुख्य अतिथि एवं मा0 कुलपति

स्थान पर कांच, लकड़ी और अन्य पदार्थ से बने सामानों का उपयोग करना चाहिए साथ ही हमारे पर्यावरण को ध्यान में रखते

हुए सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग करना चाहिए । उन्होंने बताया कि हमने पृथ्वी पर जन्म लिया है, पर हम सब का एक निश्चित हिस्सा है और हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम इसका कितना उपयोग कर रहे है। हम सभी को प्लास्टिक प्रदूषण के उपयोग और उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा। कृषि विभाग के छात्र सचिन ने नदी और पृथ्वी के अलौकिक मेल पर रचित एक अति सुंदर काव्य को गीत के रूप में प्रस्तुत किया। हमें वस्तुओं के पुनः प्रयोग पर विशेष ध्यान देना चाहिए और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियो का निर्वाहन करना चाहिए। माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि को पुष्प–गुच्छ, अंगवस्त्र एवं पौधा प्रदान कर सम्मानित किया। कुलसचिव एस. एल. पाल ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रकृति के सभी संसाधन अमूल्य हैं तथा उनका संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. लाल विजय सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रकृति और पर्यावरण के महत्व को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है, यह पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता और कारवाई को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है और यह वैश्विक आबादी को एक संकेत भी देता है कि प्रकृति का मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए तथा किसी भी कीमत पर इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। स्वागत उद्बोधन निर्देशक, शैक्षणिक (प्रभारी) डॉ. अजय कुमार चौबे ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेंद्र सिंह, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग, ने किया।

विश्व रक्तदान दिवस का आयोजन

विश्व रक्तदान दिवस 2023 की थीम 'रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करो' पर आधारित रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 14 जून, 2023 को जिला अस्पताल, बलिया में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 जयन्त सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 प्रभाकर सिंह एवं डॉ0 अवनीश उपाध्याय की देख रेख में आयोजित किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय की रोवर्स एवं रेंजर्स इकाई ने 44 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय इकाई के मुख्यायुक्त प्रो. आर. एन. मिश्र एव समन्वयक प्रो. अशोक कुमार सिंह उपस्थित थे। शिविर आयोजन में भारत स्काउट एवं गाइड संस्था के प्रशिक्षकों बृजेश गुप्ता, आनन्द शर्मा, आनन्द यादव, संगम वर्मा, राजू खान, साक्षी सिंह ने सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया तथा रक्तदान भी किया।

रक्तदान दिवस पर रक्तदान करते हुए विद्यार्थी

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर ही जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया से सम्बंधित 90 एवं 93 बटालियन एन. सी. सी. बलिया द्वारा लेफ्टिनेंट अखिलेश प्रसाद, ए.एन.ओ., श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज, बलिया के निर्देशन में एन.सी.सी. कैडेटों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस शिविर में 18 वर्ष से ऊपर के स्वस्थ कैडेटों ने स्वैच्छिक रुप से रक्तदान किया। इस अवसर पर कैडेटों ने 28 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री रवींद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 जयंत कुमार आदि उपस्थित रहे ।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर दिनांक 14 जून, 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवा द्वारा तथा किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा, रतसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया गया। दोनों इकाइयों द्वारा इस अवसर पर कुल 18 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। इस अवसर पर शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ., रजनीकान्त तिवारी, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभयनाथ सिंह, और कार्यक्रम अधिकारी संजय शुक्ल के साथ कार्यक्रम समन्वयक प्रो. साहब दूबे भी उपस्थित रहे।

योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभात फेरी का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा जनमानस में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 20 जून, 2023 को प्रभात फेरियाँ निकाली गयीं। यह आयोजन एनएसएस, एनसीसी एवं रोवर–रेंजर्स के द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति जी ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन के लिए एक कुंजी है। योग से शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है, अतः प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से योगाभ्यास करना चाहिए। हमें स्वयं योग करने के साथ अपने परिवार तथा इष्ट मित्रों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। लोगों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में ऐसे प्रयत्न सार्थक होंगे। 'हर आँगन

योग' का उद्देश्य तभी पूरा होगा, तत्पश्चात परिसर के विद्यार्थियों द्वारा बसंतपुर गाँव में जागरूकता रैली निकाली गई। 'करें योग रहें निरोग', 'रोग को भगाना है, योग को अपनाना है' आदि नारों के साथ विद्यार्थियों ने ग्रामीणों में नव ऊर्जा का संचार किया। विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. लालविजय सिंह के नेतृत्व में निकली इस प्रभात फेरी में निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. अजय चौबे, डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. तृप्ति तिवारी, विनय कुमार, डॉ. अखिलेश, राजकुमार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

योग जागरूकता प्रभातफेरी का शुभारम्भ करते मा0 कुलपति

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के परिसर में 21 जून, 2023 को नौवाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नीरज शेखर, माननीय सांसद, राज्यसभा ने कहा कि योग से जटिल एवं असाध्य बीमारियों को भी ठीक किया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नित्यचर्या में 45 मिनट योगाभ्यास के लिए देना चाहिए इससे शरीर एवं मन स्वस्थ, सजग एवं सतर्क रहते हैं। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि योग के विभिन्न आयाम हैं। कर्म की कुशलता को भी गीता में योग कहा गया है। योग शब्द का सामान्य अर्थ जोड़ना भी कई तरह से घटित हो सकता है। जैसे एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं वैसे ही हम सबके सामूहिक प्रयत्नों से योग हर घर आँगन तक पहुँचेगा।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षक श्री सत्यार्थ प्रकाश तिवारी द्वारा योग के विभिन्न पहलुओं आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि के बारे में सारगर्भित व्यक्तव्य दिया गया। विश्वविद्यालय के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के प्राध्यापक डॉ. अखिलेश यादव द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन आदि आसनों तथा नाड़ीशोधन, भ्रामरी, शीतली आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। उक्त कार्यक्रम में अतिथि–स्वागत निदेशक, शैक्षणिक डॉ.

योग दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में योगाभ्यास कार्यक्रम

पुष्पा मिश्रा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस. एल. पाल ने किया। इस अवसर पर परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण डॉ. अजय चौबे, डॉ. लाल विजय सिंह, प्रो. साहेब दूबे, प्रो. फूलबदन सिंह, प्रो. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. संदीप यादव एवं परिसर के कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

'शिक्षा मंथन 2023' में जेएनसीयू की सहभागिता

उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव एवं प्राध्यापकों के प्रतिनिधि मंडल का एक विशेष सम्मेलन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में 'शिक्षा मंथन 2023' के नाम से दिनांक 8 एवं 9 जुलाई को आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में सभी शिक्षा संस्थाओं में गुणवत्ता परिवर्धन के लिए 'एन्हांसिग इंस्टीट्यूशनल एक्सेलेंसः ए फोकस ऑन नैक, एन.आइ.आर.एफ., क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग्स एंड एनईपी–2020 इंप्लीमेंटेंशन' नाम से आयोजित इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के सभी 34 राज्य विश्वविद्यालयों प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ाने और नैक, शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन करने के तौर– तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इस सम्मेलन का उद्घाटन कुलाधिपति/ श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। उक्त सम्मेलन में

'शिक्षा मंथन 2023' में सहभाग करतीं जेएनसीयू की टीम

प्रतिभाग करने के लिए जेएनसीयू की भी एक टीम कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कानपुर गयी थी। इस टीम में

कुलसचिव एस. एल. पाल के साथ निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. प्रियंका सिंह, सह आचार्य, समाज शास्त्र, डॉ. अजय कुमार चौबे, सह आचार्य, अंग्रेजी, डॉ. विनीत कुमार सिंह, सह आचार्य, कामर्स एवं डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, सहायक आचार्य, हिन्दी सम्मिलित रहे।

जननायक चन्द्रशेखर स्मृति दिवस का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में जननायक चन्द्रशेखर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर चन्द्रशेखर नीति अध्ययन केन्द्र एवं शोधपीठ द्वारा 'जननायक चन्द्रशेखर के व्यक्तित्व के विविध आयाम' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चन्द्रशेखर जी के निकटवर्ती सहयोगी श्री हरिमोहन जी रहे। आपने चन्द्रशेखर जी के व्यक्तित्व के विविध पक्षों पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। कहा कि चन्द्रशेखर जी वाणी और मर्यादा के प्रतीक थे। अपने सार्वजनिक जीवन में आपने कभी भी अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं किया। चन्द्रशेखर जी आदर्श राजनीति की मिसाल थे। वे सम्पादक भी थे और उनकी सम्पादकीय टिप्पणियों को राष्ट्रीय स्तर पर गम्भीरता से लिया जाता था। बीज व्यक्तव्य देते हुए चन्द्रशेखर नीति अध्ययन केन्द्र एवं शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ0 प्रवीण नाथ यादव ने कहा कि चन्द्रशेखर वैचारिक राजनीति के पुरोधा थे। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया एवं गरीबी, शोषण एवं विषमता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष करते रहे। चन्द्रशेखर जी के सहयोगी रहे श्री आशीष कुमार सिंह ने

जननायक चन्द्रशेखर स्मृति दिवस पर मुख्य अतिथि के साथ परिसर के प्राध्यापकगण

बताया कि चन्द्रशेखर जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 छबिलाल ने बताया कि श्री चन्द्रशेखर जी ने अवसरवादी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं किया। अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 रामसरन यादव ने कहा कि श्री चन्द्रशेखर जी ने संकट की घड़ी में देश को आर्थिक संकट से उबारा था। संगोष्ठी में सबका स्वागत डॉ0 अभिषेक त्रिपाठी, धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 मनोज कुमार एवं संचालन डॉ0 नीरज कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

'उन्मेष शिक्षा मंथन 2023: एक अनुवर्तन का आयोजन'

अभिमुखीकरण कार्यक्रम के प्रतिभागीगण एवं माननीय कुलपति

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में बुधवार 12 जुलाई को 'उन्मेष (शिक्षा मंथन 2023: एक अनुवर्तन)' विषयक एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 'शिक्षा मंथन 2023' सम्मेलन जोकि कानपुर में आयोजित हुआ था, के प्रतिभागियों द्वारा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को नैक, विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय, एशियाई व विश्व रैंकिंग, एन.ई.पी.–2020 के क्रियान्वयन आदि विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. विनीत कुमार सिंह, सह आचार्य, वाणिज्य ने विश्वविद्यालय किस प्रकार अखिल भारतीय स्तर पर अच्छा रैंक प्राप्त कर सकता है, के विषय में बताते हुए एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। डॉ0 अजय कुमार चौबे, सह आचार्य, अंग्रेजी ने नैक की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। विश्वविद्यालय के द्वारा नैक मूल्यांकन की तैयारी करने और अच्छा ग्रेड पाने के लिए समुचित सुझाव भी दिये। डॉ. प्रियंका सिंह, सह आचार्य, समाजशास्त्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एन.इ.पी.–2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ और उनके समाधान पर चर्चा की। डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, सहायक आचार्य, हिन्दी ने भारतीय भाषाओं में शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकों

के निर्माण की आवश्यकता पर बात की। डॉ. पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक ने 'शिक्षा मंथन 2023' सम्मेलन के सभी सत्रों के विभिन्न विषयों पर हुए विमर्शों का संक्षिप्त परिचय देते हुए, इसकी उपादेयता का निरूपण किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि किसी भी सम्मेलन में प्रतिभाग करने के बाद उससे प्राप्त अनुभवों का उपयोग संस्था के सभी सदस्य कर सकें, इसके लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है। इस सम्मेलन से हमने जो सीखा है, उसमें से अपनी प्राथमिकता के बिंदुओं को तलाश कर उसको अमल में लाने के लिए प्रयत्न करने होंगे। अतः हमें नैक की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

पौधारोपण अभियान की समीक्षा बैठक

पौधरोपण अभियान को जनांदोलन के रूप में चलाना होगा। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे क्योंकि मनुष्यों का जीवन इन्हीं पेड़– पौधों पर निर्भर है। स्वस्थ जीवन के लिए ही नहीं बल्कि अपनी श्वांसों के लिए भी मनुष्य इन्हीं पेड़– पौधों पर आश्रित है। वृक्ष धरा के फेफड़े के रूप में कार्य करते हैं। ये सारी बातें कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने पौधरोपण अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, बलिया द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को सत्र 2023–24 में 35,300 पौधे लगाने का लक्ष्य आवंटित किया है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के क्रम में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय एवं सभी संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा दिनांक 22 जुलाई को कुल 29,808 और दिनांक 15 अगस्त को शेष 3,492 पौधे लगाए जायेंगे। इन पौधों में बरगद, पीपल आदि आक्सीजन देने वाले छायादार, आम, अमरूद आदि फलदार तथा अर्जुन, नीम आदि औषधीय पौधों को लगाया जाएगा। इस पौधरोपण कार्यक्रम की पूरी निगरानी जियो टैगिंग एवं हरीतिमा ऐप के द्वार की जाएगी। इस पौधरोपण अभियान को जन– जन तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य वाद–विवाद, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक, कला एवं पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जायेगा। यह सूचना कुलसचिव एस. एल. पाल ने दी। इस पौधरोपण अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. त्रिपुरारी ठाकुर की अगुवाई में पूरे कार्यक्रम को योजनाबद्ध रूप में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये जाने के लिए सभी उप नोडल अधिकारियों तथा संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य / प्रतिनिधिगण को सम्यक् निर्देश भी कुलपति प्रो. संजीत गुप्ता द्वारा इस बैठक में दिये गए।

पौधारोपण अभियान का शुभारम्भ

कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में दिनांक 22 जुलाई को पौधरोपण अभियान का श्रीगणेश किया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूरे प्रदेश में विशेष पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जेएनसीयू और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासन द्वारा दिये गए निर्देश के क्रम में अपने परिसर एवं प्रांगण में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस क्रम में जेएनसीयू परिसर में नीम के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस. एल. पाल, निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा सहित परिसर के सभी प्राध्यापकों ने भी पौधरोपण किया तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। परिसर के कृषि संकाय के प्राध्यापक डॉ. अमित सिंह एवं डॉ. लालविजय सिंह के नेतृत्व में कृषि विभाग के विद्यार्थियों ने इस अभियान में बढ़– चढ़कर प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते माननीय कुलपति

नैक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 26 जुलाई को विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. दीपक बाबू, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने अपने उद्‌बोधन में नैक के सातों मानकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि इन सातों मानकों की प्रस्तुति में एकरूपता होनी चाहिये, प्रश्नोत्तर शैली में स्लाइड बनी हो, विस्तृत वर्णन और प्रमाण अलग से लिंक में देना चाहिए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों के प्रयासों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नैक के मानकों की प्रस्तुति डॉ. अजय चौबे, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. विजय शंकर, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. प्रज्ञा बौद्ध एवं डॉ. संजीव कुमार ने की। अतिथि स्वागत डॉ. पुष्पा मिश्रा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।

बलिया में पर्यटन विकास पर कार्यशाला का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 26 जुलाई को 'बलिया में पर्यटन विकास' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो दीपक बाबू, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि बलिया में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएँ हैं। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि पर्यटकों को गाइड करते समय भाषा और अंगभाषा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बलिया जनपद के पर्यटन को नया आयाम प्राप्त होगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। अतिथि स्वागत डॉ. अजय चौबे, संचालन डॉ. सरिता पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. छबिलाल ने किया। इस अवसर पर डॉ. अजय चौबे, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. विजय शंकर, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. प्रज्ञा बौद्ध एवं डॉ. संजीव कुमार आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता को सम्मानित करते माननीय कुलपति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का शिक्षा पर प्रभाव विषयक संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तीन वर्ष पूरे होने पर दिनांक 29 जुलाई को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का शिक्षा पर प्रभाव' विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थी हित में है। यह नीति विद्यार्थियों के लिए अध्ययन को सुगम बनाने के साथ ही उनमें व्यावसायिक कौशल का भी विकास करती है। बहुस्तरीय प्रवेश की व्यवस्था से बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को फिर से पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है। मातृभाषा में शिक्षण पर बल देने से प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाना, समझाना सुगम हो जाता है। निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने एनईपी के व्यावहारिक पक्ष पर बल दिया। कहा कि यह नीति विद्यार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उन्हें कार्यक्षम बनाती है। डॉ. अजय चौबे, सह आचार्य, अंग्रेजी ने कहा कि एनईपी से विद्यार्थियों के अंदर सुप्त प्रतिभा को उजागर करने में मदद मिली है। विद्यार्थी अपने विषय से इतर विषय में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकता है। संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस.एल. पाल ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. संदीप, डॉ. नीलमणि आदि प्राध्यापक और परिसर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल के समक्ष नैक की प्रस्तुति

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की नैक की तैयारियों की समीक्षा बैठक दिनांक 04 अगस्त को राजभवन लखनऊ मे हुई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के नैक मूल्यांकन हेतु किए गए प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की । कुलपति प्रो० संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना 22 दिसम्बर वर्ष 2016 में हुई थी और विश्वविद्यालय अब नैक मूल्यांकन के लिए तैयारी कर रहा है।

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल के समक्ष जेएनसीयू की नैक प्रस्तुति

माननीय राज्यपाल ने प्रस्तुतिकरण की समीक्षा के दौरान नैक मूल्यांकन के सभी सातों क्राइटेरिया पर विश्वविद्यालय द्वारा

की गयी तैयारियों का बिंदुवार अवलोकन किया और उसकी गुणवत्ता सुधारने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नैक प्रस्तुतिकरण में सभी बिंदुओं को एक जैसे फार्मेट में प्रस्तुत करने को कहा और हाइपरलिंक में गतिविधियुक्त फोटो और विवरण जोड़ने पर बल दिया।

राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा विविध गतिविधियों के विस्तार हेतु किए गए एम० ओ०यू० के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों को बड़ी संख्या में सम्पादित कराकर विश्वविद्यालय की क्षमता का विस्तार करें। उन्होंने पुस्तकालय की ई–क्षमता में वृद्धि करने, ई–पुस्तकालय उपयोग की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करने, विद्यार्थियों को शत–प्रतिशत ई–पुस्तकालय उपयोग से जोड़ने को कहा। उन्होंने पुस्तकालय हेतु नवीन और उपयोगी पुस्तकों की खरीद प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों की आगामी प्रगति का विवरण भी एस०एस०आर० में दर्शाने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में कौशल विकास कार्यों से महिलाओं में आयी आत्मनिर्भरता का विवरण जोड़ने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के अध्यापक भी भारत को टी0बी0 मुक्त करने के अभियान से जुड़े और स्वयं निक्षय मित्र' बनें। राज्यपाल ने सभी सदस्यों को नैक के पहले मूल्यांकन में ही उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। समीक्षा बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति तथा शिक्षकगणों ने राज्यपाल को गांधी पर आधारित एक पुस्तक एवं ग्रामीण महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित लालटेन भेंट किया।

इस बैठक मे विश्वविद्यालय की नैक टीम के सातों बिन्दुओं के समन्वयक डॉ. अजय चौबे, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. विजय शंकर पाण्डेय, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. संजीव कुमार के साथ डॉ. विवेक कुमार यादव, डॉ. रजनी चौबे, डॉ. सरिता पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. प्रेमभूषण यादव, डॉ. स्मिता एवं डॉ. रंजना मल्ल ने अपने–अपने बिन्दुओं पर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ० सुधीर महादेव बोबडे, श्री राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज जॉनी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व स्तनपान दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में दिनांक 7 अगस्त को कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अतिथि वक्ता डॉ0 आराधना मिश्र, बी0ए0एम0एस0, बी0एच0एम0एस0 और डी0एन0वाई0एस0 इनफर्टिलिटी, बक्सर की सी0ई0ओ0 रहीं। डॉ0 आराधना ने कहा कि ब्रेस्टफीडिंग बच्चों के लिए अमृत के समान है। स्तनपान करने वाले शिशु को पर्याप्त मात्रा में संतुलित पोषण मिलता है। इसके जरिए शिशु को कई तरह की एंटीबॉडीज मिलती हैं, जो शिशुओं को अनेक प्रकार के संक्रमण ,एलर्जी और दूसरे कई रोगों से बचने के लिए जरूरी इम्यूनिटी प्रदान करती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से हम माता एवं शिशु संबंधित मृत्यु तथा जीवन आंकड़ों में कमी करने में सहयोग कर पाएंगे। कहा कि हमारे देश की महिलाएं सशक्त हैं बस उन्हें जागरूक करने की जरूरत है। भारतीय महिलाओं की विश्व पटल पर ख्याति एवं उपलब्धि को बताते हुए उन्होंने भारतीय स्तनपान परंपरा के प्राचीनतम रूप का उल्लेख किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ0 रंजना मल्ल ने कहा कि सरकारी कार्यालय, मॉल, दुकानों, रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों में स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अलग से कमरे होने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 तृप्ति तिवारी, स्वागत उद्बोधन सुश्री सौम्या तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ0 संध्या ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा सहित विश्वविद्यालय परिसर के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति के साथ प्रतिभागी एवं प्राध्यापकगण

संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के सेण्टर ऑफ एक्सेलेन्स फॉर प्रमोशन ऑफ नीडेड 21st सेन्चुरी स्किल्स फॉर टीचर्स द्वारा उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वाधान और माननीय कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपेंट प्रोग्राम का आयोजन दिनांक 08 अगस्त, 2023 से 14 अगस्त, 2023 के मध्य किया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ0 प्रियंका सिंह, एवं सह–समन्वयक डॉ0 गुन्जन कुमार व डॉ0 स्मिता रहीं।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के 'शिक्षक प्रशिक्षण उत्कृष्टता केंद्र' द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय सभागार में दिनांक 8 अगस्त को हुआ। 'भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता' विषयक इस कार्यक्रम को समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया । उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 श्रीप्रकाश पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने

बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा जानने के साथ देखने, अनुभव के साथ अनुभूति के सहभाव एवं संशय से मुक्ति की रही है। कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा वाद, प्रतिवाद और संवाद की रही है, इसमें तत्त्व चिंतन पर बल दिया गया है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि कई सदियों तक भारतीय ज्ञान परम्परा को मिटाने का प्रयास किया गया किन्तु अब 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के तहत इन्हें पुनः व्यवहार में लाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि इस आयोजन के द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा से उन सूत्रों को निकाला जाये जिससे 21 वीं सदी में शिक्षकों के शिक्षण कौशल का विकास हो सके। सप्ताह पर्यंत चलने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ0 गुंजन कुमार ने प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में प्रो0 देव नारायण पाठक, नेहरु ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने 'शिक्षा में व्याकरण के महत्त्व' पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 स्मिता, अतिथि स्वागत डॉ0 प्रियंका सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रज्ञा बौद्ध ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संकाय संवर्धन के द्वितीय दिवस दिनांक 9 अगस्त को प्रथम सत्र के विषय विशेषज्ञ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश के दर्शनशास्त्री प्रो0 प्रबुद्ध मिश्र ने 'सांख्य दर्शन' के सम्पूर्ण आयामों की चर्चा की। द्वितीय सत्र में अरविन्द विक्रम सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान ने अपने उद्‌बोधन में 'भारतीय ज्ञान परम्परा का भविष्य बोध' पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञों से संवाद कर अपने संशय का निवारण किया। इस अवसर प्रतिभागी गण ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

कार्यक्रम के तृतीय दिवस दिनांक 10 अगस्त को प्रथम सत्र में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के दर्शन शास्त्र विभाग के प्रो0 सच्चिदानन्द मिश्र ने न्याय–दर्शन पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय–सत्र में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया वाणिज्य विभाग के डॉ0 विजयशंकर पाण्डेय ने 'प्राचीन युग में कृषि, नीतिशास्त्र, मूल एवं सामाजिक संरचना' की चर्चा करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ उसके सम्बन्धों की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की। आपने भारतीय कृषि में

एफडीपी के उद्‌घाटन सत्र के मुख्य वक्ता का सम्मान करते माननीय कुलपति

लौकिक ज्ञान परंपरा के योगदान को रेखांकित करते हुए घाघ एवं भड्डरी की कहावतों, उनके अर्थो और उनकी उपयोगिता पर विचार किया। इसी क्रम में आपने रहीम, कबीर आदि कवियों की कविताओं में मौजूद नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों की भी विवेचना की।

चतुर्थ दिवस 11 अगस्त, 2023 के प्रथम सत्र में साधु वासवानी स्वायत्तशासी कॉलेज भोपाल के वाणिज्य एवं प्रवन्ध विभाग के आचार्य प्रो0 वंशीधर पाण्डेय ने वैश्विक शांति एवं कल्याण में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासगिंकता पर प्रकाश डाला। चतुर्थ दिवस के द्वितीय सत्र में गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के आचार्य प्रो0 प्रवीण कुमार मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में प्राचीन भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख किया और बताया कि भारतीय इतिहास किस प्रकार भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण एव संवर्द्धन में सहायक है।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम में दिनांक 12 अगस्त को प्रथम सत्र के वक्ता डॉ0 अनूपपति तिवारी, भारत अध्ययन केंद्र, बीएचयू ने 'भारतीय विधि शास्त्र' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में विधि व्यवस्था श्रुति, स्मृति, कल्पसूत्र, अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र व लोकाचार की परंपरा पर आधारित थी। स्मृतियाँ देश व कालानुसार परिवर्तित होती रहीं। पाश्चात्य विद्वानों ने

एफडीपी के प्रमाण-पत्र के साथ प्रतिभागीगण

भारत में इहलौकिक ज्ञान का अभाव बताते हुए यहाँ की विधि व्यवस्था को नकारा जबकि नारद व पराशर स्मृतियाँ, शुक्रनीतिसार तथा कौटिल्य कृत अर्थशास्त्र आदि में भारतीय विधि व्यवस्था के व्यावहारिक पक्ष का विस्तृत विश्लेषण है। द्वितीय सत्र में डॉ0 देवेश मिश्र, सह आचार्य, संस्कृत, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने 'भारतीय गुरुकुल व्यवस्था' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गुरुकुल परंपरा शिक्षा प्रदान करने की एक सुव्यवस्थित प्रणाली थी, जिसमें राज्य का हस्तक्षेप नहीं था। गुरुकुल जाने वाले विद्यार्थियों का भरण– पोषण, शैक्षणिक तथा आध्यात्मिक उन्नयन गुरु पर आश्रित था। इसीलिए गुरु का बहुत महत्व था। ज्ञान तथा शिक्षण के तरीकों के आधार पर गुरुओं की कई श्रेणियाँ आचार्य, श्रोत्रिय, चरक, उपाध्याय आदि होती थीं। कार्यक्रम में संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, स्वागत डॉ. गुंजन कुमार, धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस एल पाल ने किया। इस अवसर पर परिसर एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के षष्ठ दिवस 13 अगस्त, 2023 के प्रथम सत्र में फीडबैक चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम के प्रतिभागियों के विस्तार से उक्त कार्यक्रम के सन्दर्भ में अपनी–अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की गई तथा आवश्यक सुझाव दिये। षष्ट दिवस के द्वितीय–सत्र में विख्यात शिक्षा शास्त्री एवं सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश शांडिल्य ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि प्राचीन ज्ञान को समाज में क्रियान्वित किया जा सकता है।

एक सप्ताह से चल रहे 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की एफडीपी का समापन दिनांक 14 अगस्त को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हम सभी भारतीयों में आनुवांशिक रूप से अंतर्निहित हैं, वैश्विक स्तर पर भारतीय मेधा की सशक्त उपस्थिति इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो0 हरिशंकर पाण्डेय ने अपने व्यक्तव्य में बताया कि सभी ज्ञान–विज्ञान, कला, साहित्य, अध्यात्म आदि की जड़ें हमारी ज्ञान परम्परा में ही निहित हैं। विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्ब की भावना हमारी ज्ञान परम्परा की ही विरासत है। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने कार्यक्रम के संदर्भ में अपना फीडबैक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 स्मिता त्रिपाठी ने तथा प्रतिवेदन कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 प्रियंका सिंह ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत डॉ0 विवेक कुमार यादव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 रामशरण यादव ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालय के सभी प्रतिभागी प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

एंटी रैगिंग दिवस का आयोजन

कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के निर्देशन व संरक्षण में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में दिनांक 12 अगस्त को एंटी रैगिंग दिवस के रूप में मनाया गया। विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार की रैगिंग गतिविधियों पर विराम लगाकर परिसर में स्वस्थ वातावरण निर्मित हो, कार्यक्रम का यही उद्देश्य था। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में जागरूकता आती है। इस कार्यक्रम में 'रैगिंग एक दंडनीय अपराध है', 'न करेंगे न सहेंगे' थीम पर आधारित एक डॉक्यूमेन्ट्री भी दिखाई गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिलीप कुमार मद्धेशिया ने कहा कि विवि परिसर पूर्णतः रैगिंग मुक्त है। यदि कोई विद्यार्थी रैगिंग में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ़ एंटी रैगिंग नियम के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। हम विश्वविद्यालय में स्वस्थ माहौल बनाने के लिए संकल्पित हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री एस0एल0 पाल, शैक्षणिक निदेशक डॉ0 पुष्पा मिश्रा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ0 अजय कुमार चौबे, एंटी रैगिंग सेल के सदस्य डॉ0 नीरज कुमार सिंह,

एंटी-रैगिंग दिवस कार्यक्रम में मंचासीन मुख्य अतिथि निदेशक, शैक्षणिक एवं कूलसचिव

सुश्री सौम्या तिवारी, डॉ0 तृप्ति तिवारी एवं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

दिनांक 15 अगस्त को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कहा कि आज़ादी के 76 सालों में देश ने विकास के कई लक्ष्य हासिल किये हैं और कई अभी शेष हैं। ऐसे अप्राप्त लक्ष्यों की प्राप्ति में कर्तव्यनिष्ठ, कार्यकुशल युवा पीढ़ी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। विश्वविद्यालय का काम ऐसे

युवाओं को तैयार करना है जो राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का सम्यक् निर्वहन कर सकें। एनईपी में ऐसी ही युवा पीढ़ी के निर्माण की बात की गयी है। कहा कि आज़ादी के इस दिन हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता चाहिए और उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर कुलपति की अर्धांगिनी डॉ0 नीरा गुप्ता, कुलसचिव एस0एल0 पाल, प्रो0 अशोक श्रीवास्तव, प्रो0 फूलबदन सिंह, प्रो0 ओंकार सिंह, प्रो0 धर्मेंद्र सिंह, डॉ0 अजय चौबे, डॉ0 प्रियंका सिंह आदि प्राध्यापक, विद्यार्थी, कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर माननीय कुलपति को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देते एन.सी.सी. कैडेट

जेएनसीयू में हाईटेक नर्सरी की स्थापना होगी

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में सब्जियों के संकर पौधों के स्वस्थ एवं उन्नत किस्मों की नर्सरी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए हाईटेक नर्सरी की स्थापना होगी। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने अपने बैरिया आगमन में बलिया जनपद को सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। उनके इस निर्देश के क्रम में कमिश्नर द्वारा पहल की गयी थी, जिससे जेएनसीयू को इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका प्रदान करते हुए एक हाईटेक नर्सरी शासन से स्वीकृत हुई थी। इस नर्सरी की स्थापना के लिए जिला उद्यान अधिकारी अलका श्रीवास्तव ने दिनांक 17 अगस्त को कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के साथ बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्थलीय पर्यवेक्षण किया। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही एक प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी/ जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। टमाटर, बैगन, फूलगोभी, बंदगोभी, मिर्च आदि मौसमी सब्जियों की खेती के लिए किसानों को उन्नत एवं स्वस्थ किस्म के पौधों को उपलब्ध कराना इस नर्सरी का उद्देश्य होगा। उल्लेखनीय है कि इंडो– इजरायल समझौते के अंतर्गत उद्यान विभाग के द्वारा सब्जियों की खेती बिना भूमि के उपयोग के एक कृत्रिम वातावरण (पॉलीहाउस) में करने के लिए एक परियोजना पायलट मोड में कृषि, सरकारी

नर्सरी के लिए स्थलीय पर्यवेक्षण करती उद्यान अधिकारी एवं माननीय कुलपति

कृषि फार्मों एवं उन में जहाँ कृषि की पढाई होती है, वहाँ चलाई जा रही है। सब्जियों के उत्पादन में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान बीज और पौधों का होता है। नर्सरी का पौधा स्वस्थ न हो तो उत्पादन एवं गुणवत्ता पर असर पड़ता है। इस हाईटेक नर्सरी की स्थापना से बलिया जनपद के किसानों को बहुत लाभ प्राप्त होगा। जेएनसीयू के उद्यान विभाग के प्राध्यापकों डॉ0 अमित सिंह व डॉ0 लालविजय सिंह की देख–रेख में उद्यान विभाग के विद्यार्थी यहाँ प्रयोग व अनुसंधान भी कर सकेंगे।

बलिया बलिदान दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 19 अगस्त को बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर 'अगस्त क्रांति और बलिया' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. जैनेंद्र कुमार पाण्डेय, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज ने कहा कि बलिया की क्रांति की कुछ ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे विश्व की महत्त्वपूर्ण क्रांतियों में शुमार करती हैं। मसलन यह क्रांति जाति, वर्ग और लिंग–भेद से परे थी और सच्चे अर्थों में बहुलतावादी थी। यह क्रांति जनांदोलन के रूप में स्वतःस्फूर्त थी और इसके परिणाम स्वरूप जनता की सरकार स्थापित हुई थी और जिसका प्रशासन सुव्यवस्थित था। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि बलिया क्रांतिकारियों, बलिदानियों की धरती है और प्रणम्य है। युवाओं को इस क्रांति के चरित्र को आत्मसात करना चाहिए। आज भी युवाओं

बलिया बलिदान दिवस पर माननीय कुलपति को काव्य पुस्तक भेंट करते हुए पी.आर.ओ.

को संघर्ष करने की आवश्यकता है– 'देश के निर्माण के लिए, देश के विकास के लिए'। कहा कि युवाओं को आत्मविकास के लिए

समर्पित होने की आवश्यकता है। विषय प्रवर्तन करते हुए प्राचीन इतिहास के प्राध्यापक डॉ. अमृत आनंद सिन्हा ने 1942 के आंदोलन में हुई बलिया की क्रांति का विस्तार से वर्णन किया। बताया कि 10 अगस्त 1942 से जो बलिया में क्रांति का ज्वार फूटा उसमें 13 अगस्त को कचहरी पर राष्ट्रध्वज फहरा, 14 अगस्त को बेलथरारोड, 15 अगस्त को बैरिया, चितबड़ागाँव, नरही, रतनपुरा, रेवती, चौरा, हलधरपुर, चिलकहर, 16 अगस्त को रसड़ा, सहतवार, बांसडीह आज़ाद हुए। बैरिया थाने पर राष्ट्र ध्वज फहराने के क्रम में कौशल कुमार और 17 अन्य लोगों ने शहादत दी थी। अंत में जिलाधीश जे निगम ने 19 अगस्त 1942 को चित्तू पाण्डेय को शासन की बागडोर सौंपी थी। इस प्रकार बलिया स्वतंत्र हुआ था।

कार्यक्रम में रमाशंकर पाण्डेय 'नवल' के खंडकाव्य 'शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय' की पंक्तियों का भावपूर्ण वाचन संचालक डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। अतिथि स्वागत डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अजय चौबे ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक तथा परिसर के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

प्रवेश परीक्षा का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में दिनांक 20 अगस्त को परिसर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रातःकाल एम. काम., एम. एस– सी. (कृषि) एग्रोनॉमी (शस्य विज्ञान) तथा हार्टीकल्चर (उद्यान विज्ञान) की तथा अपराह्न सत्र में बी. एस– सी. (कृषि) की परीक्षाओं का आयोजन किया गया। निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा के नेतृत्व में डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. नीलमणि त्रिपाठी, डॉ. दिलीप मद्धेशिया आदि प्राध्यापकों की टीम ने प्रवेश परीक्षा के आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा नियंत्रक/ कुलसचिव एस. एल. पाल ने स्वयं पूरी परीक्षा के समय उपस्थित रहकर आवश्यक दिशा– निर्देश प्रदान किये। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने भी परीक्षा की शुचिता को परखने के लिए परीक्षा कक्षों का स्वयं पर्यवेक्षण किया।

तुलसीदास जयंती का आयोजन

गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में दिनांक 23 अगस्त को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अयोध्या शोध संस्थान (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बलिया जनपद के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार श्री राजेश्वर प्रसाद गुप्त 'राजगुप्त', श्री अवध बिहारी 'मितवा', डॉ. भोला प्रसाद 'आग्नेय', श्री रमाशंकर प्रसाद 'मनहर' एवं श्री शशि कुमार सिंह 'प्रेमदेव' को सारस्वत सम्मान से विभूषित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि इस देश में रचनाकार, साहित्यकार हमेशा समाज को दिशा –निर्देश देने के लिए मौजूद रहे। आज इन साहित्यकारों को सम्मानित कर विश्वविद्यालय को और व्यक्तिगत रूप से मुझे अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है। तुलसीदास जैसे कवियों ने इस देश की अस्मिता का निर्माण किया है। हमें उनके ग्रंथ 'रामचरितमानस' का अध्ययन अनुशीलन करना चाहिए। तुलसीदास से प्राप्त लोक कल्याण के मार्ग का हमें अनुकरण करना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. जैनेंद्र कुमार पाण्डेय, टी डी कालेज ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की प्रासंगिकता पर बात की। कहा कि भारतवर्ष विविधताओं का देश है। यहाँ प्रकृति, भाषा, वेशभूषा, संस्कृति आदि में बहुत विभिन्नता है। इसलिए यहाँ समन्वयकारी व्यक्तित्व वाला रचनाकार ही लोकप्रशंसित हो सकता है। वही हमारा आदर्श हो सकता है। तुलसीदास ऐसे ही रचनाकार थे। डॉ. अभिषेक मिश्र, सहायक आचार्य, हिन्दी, जेएनसीयू ने रामकाव्य परंपरा की बात की। वाल्मीकि, कालिदास, भवभूति, कृतिवास, निराला आदि के रामकाव्य का जिक्र किया।

तुलसीदास जयंती पर सम्मानित साहित्यकारों के साथ माननीय कुलपति

कहा कि तुलसीदास की वेदना, निराला की वेदना और उनकी रचनाओं में अभिव्यक्त राम की वेदना में अद्‌भुत साम्य है। ब्रजमोहन प्रसाद 'अनारी' ने तुलसीदास की बहुभाषिकता पर बल दिया। कहा कि तुलसीदास की कविताओं में अरबी– फ़ारसी, भोजपुरी, संस्कृत के शब्द अवधी और ब्रजभाषा के साथ हिल–मिलकर आये हुए हैं। रमाशंकर 'मनहर' ने तुलसीदास पर लिखी अपनी कविता प्रस्तुत की। संयोजक शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में सोनू यादव और तरुण ने भजन और तुलसीदास की चौपाइयों का गायन किया। इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापक, विद्यार्थीगण एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष सप्ताह का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के निर्देशन में दिनांक 24 अगस्त को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में 'भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह' के अंतर्गत निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'हमारे ग्रह एव पर्यावरण की रक्षा करना' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एवं नये अन्तरिक्ष युग की ओर विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में परिसर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अन्तरिक्ष विज्ञान में भारत की सशक्त उपस्थिति को विद्यार्थियों ने अपने भाषण में प्रस्तुत किया। इसरो की कामयाबी और चन्द्रयान–3 मिशन की सफलता से गौरवान्वित विद्यार्थियों के विचारों में अन्तरिक्ष विज्ञान के प्रति बढ़ता आकर्षण व्यक्त हुआ। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 अजय चौबे एवं डॉ0 विनय प्रताप वर्मा, प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान, विश्वविद्यालय परिसर ने किया।

अंतरिक्ष सप्ताह कार्यक्रम के प्रतिभागीगण

कार्यक्रम परिसर के प्राध्यापक एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया से सम्बद्ध महाविद्यालय 01 जून से 31 अगस्त तक निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

इन कार्यक्रमों को 34 महाविद्यालयों द्वारा संचालित किया गया जिसमें 52 इकाइयों ने अपना सक्रिय योगदान दिया। 03 जून विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बन्धित महाविद्यालयों के स्वयंसेवक/सेविकाओं ने साइकिल रैली का आयोजन किया। इसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ रहने के लिए साइकिल चलाना आवश्यक है। इससे पर्यावरण संरक्षण भी हो सकता है और साथ–ही–साथ एक्सरसाइज भी किया जा सकता है यानि एक पंथ दो काज।

05 जून पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें वर्तमान में बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण के खतरे पर लोगों को जागरूक किया गया और यह बताने का प्रयत्न किया गया कि अभी से जग जाइए अन्यथा आने वाला दिन मानव हित के लिए काफी दुःखद होगा। इसमें रैलियों एवं गोष्ठियों का भी महाविद्यालयों द्वारा आयोजन किया गया।

12 जून से 26 जून तक नशामुक्ति पखवाड़ा का आयोजन। वर्तमान में नई पीढ़ी में खासकर युवाओं में नशे की प्रवृत्ति उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है जो कि मानव जीवन के हित के लिए नहीं है। उनके नशे से उनको परिवार पर बुरा प्रभाव पड़ता है साथ–ही–साथ आस–पड़ोस के लोग भी उससे प्रभावित होते हैं। नशा के आदी होने से वे अपने परिवार एवं समाज दोनों को ही जोखिम में डाल देते हैं जिससे कि पारिवारिक एवं सामाजिक स्थिति काफी खराब हो जाती है। ऐसे में उन्हें इस पखवाड़ा के माध्यम से जागरूक किया गया कि किस तरीके से नशा से मुक्ति पाया जा सकता है। 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक/सेविकाओं ने जिला अस्पताल जाकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और स्वस्थ होने पर रक्तदान दिया। कहा जाता है कि रक्तदान महादान। रक्त देने से लोगों की अगर जान बचायी जाए तो इससे बड़ा और कोई पुण्य का काम नहीं हो सकता है। इस नेक कार्यक्रम हेतु जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को रक्त देने हेतु प्रेरित किया गया।

15 जून से 21 जून तक योग दिवस पर योग सप्ताह का आयोजन किया गया एवं दैनिक जीवन में योग को करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। इसमें लोगों को यह बताया गया कि योग से स्वस्थ रहा जा सकता है। योग करने से आर्थिक रूप से होने वाली हानियों से बचा जा सकता है, डाक्टरों के चंगुल से बचा जा सकता है। केवल प्रतिदिन 15–20 मिनट योग करने से हम निरोग रह सकते हैं। स्लोगन एवं गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

26 जून से 01 जुलाई तक नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अन्तरराष्ट्रीय दिवस का आयोजन किया गया। 01 जुलाई से 31 जुलाई तक छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

17 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसमें लोगों को जागरूक किया गया कि किस तरीके से हम रोड पर सावधानी पूर्वक चलें जिससे कि अपनी एवं दुसरों को जान बचाई जा सकें। इस कार्यक्रम में असंख्य स्वयंसेवक और सेविकाओं ने रैलियां निकालकर लोगों को जागरूक किया।

31 जुलाई आजादी का अमृत महोत्सव पर हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देश स्तर पर आयोजित किया गया जिसमें की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। 13 से 15 अगस्त तक आजादी के अमृत महोत्सव के समापन के अन्तर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' एवं 'हर घर तिरंगा' का आयोजन किया

सम्बद्ध महाविद्यालय में योग दिवस पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम

गया। 28 अगस्त को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तत्वावधान में 'एक भारत संस्कृति' के संदर्भ में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उपर्युक्त कार्यक्रमों में कुबेर महाविद्यालय, हसनपुर, जजौली नं0–1, शिवराज स्मारक स्नातकोतर महाविद्यालय, रामपुर, रसड़ा, तिलेश्वरी देवी महाविद्यालय, गौरा पतोई, माँ फूला देवी कन्या महाविद्यालय, तिलौली बघुड़ी, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोतर महाविद्यालय, बलिया, हीरानन्द महाविद्यालय, नरायनपुर, रसूलपुर, बलिया, नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, बलिया, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरहीं बलिया, बाबा मथुरादास सीताराम महाविद्यालय, चिलकहर, बलिया, पृथ्वी शिव किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, रसड़ा, बलिया, श्रीनाथ रोशन बाबा महाविद्यालय, नगरा, बलिया, मथुरा स्नातकोतर महाविद्यालय, रसड़ा, सतीश चन्द्र कालेज, बलिया, कुंवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया, जमुना राम पी0जी0 कालेज, बलिया, गुलाब देवी महाविद्यालय, बलिया, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, नियामतपुर कन्सो, बलिया, किसान पी0जी0 कालेज, रकसा रतसड़, बलिया, देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बलिया, राजनारायण महाविद्यालय, भीमपुरा नं0–2, दूजा देवी महाविद्यालय, रजौली सहतवार, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, बलिया, बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, स्वामीनाथ सुरेन्द्र महाविद्यालय, धरमपुर काजीपुर बलिया, अमरनाथ मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुबेछपरा बलिया, द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला महाविद्यालय, रजवारवीर, बलिया, गोपालजी महाविद्यालय, रेवती, बलिया दुलेश्वरी सुखदेव डिग्री कालेज, बलिया द्वारा आयोजन किया गया। 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाओं ने विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के साथ एम.ओ.यू.

लोक संस्कृति, लोककला, जनजातीय संस्कृति एवं जनजातीय कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया तथा लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, उत्तर प्रदेश के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिनांक 2 जून को लखनऊ में संपन्न हुआ। इस एमओयू के द्वारा दोनों संस्थान मिलकर भारतीय संस्कृति के मूलस्वरूप लोक एवं जनजातीय संस्कृति की विशिष्टताओं और उनके महत्त्व को अधुनातन संदर्भों में रेखांकित करने का प्रयास करेंगे। लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, उत्तर प्रदेश द्वारा अपने सहयोगी संस्थाओं और संगठनों की सहायता से क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के उभरते हुए और ख्यात कलाकारों के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है ताकि राज्य की कला एवं संस्कृति को संरक्षित व संवर्धित किया जा सके। संस्कृति विभाग का मुख्य उद्देश्य भारत की शास्त्रीय एवं लोक संस्कृति एवं रंगकर्म को बढ़ावा देना है और यही उद्देश्य जेएनसीयू का भी है।

एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करते निदेशक, मा0 मंत्री एवं मा0 कुलपति

जेएनसीयू ने योग, ललित कला, संगीत एवं रंगकर्म जैसे विभागों का गठन इसी उद्देश्य से किया कि स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए अंतर–सांस्कृतिक एवं बहु–सांस्कृतिक पर्यावरण का निर्माण किया जा सके। इसी उद्देश्य

से जेएनसीयू द्वारा कला महोत्सव, दीक्षोत्सव, मिलेट डे जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। जेएनसीयू का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक भाषा एवं संस्कृति को बढ़ावा देने वाले एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित होना है। इसीलिए जेएनसीयू द्वारा संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के इस संस्थान के द्वारा एमओयू किया गया। संस्कृति विभाग के इस संस्थान की विशिष्टताओं का लाभ बलिया के निवासियों को प्राप्त हो सके, इसके लिए जेएनसीयू द्वारा यह एमओयू किया गया। जेएनसीयू, बलिया की ओर से कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता और लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ की ओर से निदेशक श्री अतुल द्विवेदी ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह, संस्कृति विभाग के विशेष सचिव श्री अमरनाथ उपाध्याय एवं श्री तुहीन द्विवेदी, ए.डी., संस्कृति विभाग, उ.प्र. सरकार भी उपस्थित रहे।

National Seminar on 'Interpreting Literary Theory: Texts and Context'

A national seminar on "Interpreting Literary Theory: Text and Context" was organized Jananayak Chandrashekar University, Ballia on August 28- 29, 2023 by the Department of English. The convener being Dr Sarita Pandey, along with organizing chair Dr Ajay K Chaubey, co-conveners Dr Dilip K Madhesiya and Dr Niraj K Singh, and the students as

Participants of National Seminar with teachers

A national seminar on "Interpreting Literary Theory: Text and Context" was organized Jananayak Chandrashekar University, Ballia on August 28- 29, 2023 by the Department of English. The convener being Dr Sarita Pandey, along with organizing chair Dr Ajay K Chaubey, co-conveners Dr Dilip K Madhesiya and Dr Niraj K Singh, and the students as members of organizing committee. The chief guest of this event was Prof. Gourhari Behera, DDU, Gorakhpur and special guest, Dr. Ram Sharma, Principal, Shri Sudristi Baba Degree College, Raniganj, Ballia.

The seminar started with Kulgeet and welcome note of Mr. Faizan Raza. First day of the seminar started with the Chief Speaker Prof. Gourhari Behera's speech. In his speech he talked about the difficulty and complexity of Literary Criticism. He said that to understand theory, firstly it is important to read literature. Prof. Behera emphasized on the fact that the literary theory is interdisciplinary, common sense, speculative, analytical, and reflexive, due to which it is considered difficult. Later, he added that theory is analytical critic of common sense and reflexes. Inaugurating the seminar, Prof. Behera explained about literary theory.

Prof. Behera discussed that to understand the difficulties of literary theory, we should first read as many literary works as possible. After this, Dr. Ram Sharma offered a brief overview of literary theory. He said that to understand literature we should develop our interest. Giving his opinion, Dr. Ajay Chaubey, the chair of the session, remarked that there are three methods to understand literature - reading, watching, and listening.

After the Inaugural ceremony, in the first technical session, Mr Ashish Tiwari, Ms Drakhshan, Mr Jitendra Pandey, Ms Namrata Patel and Ms Sanju did their paper presentation.

The first technical session was presided over by Dr. Dilip K Madhesiya, in the end, vote of thanks was given by Mr. Jitendra Pandey. Ms Kriti Singh compered the program. Organizing members were Ms Kriti Singh, Ms Muskan Singh, Ms Namrata Patel, Mr Krishna Mohan Tiwari, Mr Jitendra Pandey, Mr Faizan Raja, Mr Pulkit Srivastava and Mr Ashish Kumar Tiwari and they played an active role in making the program successful. On this occasion, Academic Director, Dr. Pushpa Mishra, Dr. Priyanka Singh, Dr. R.P. Singh, Dr. Vineet Singh, Dr. Rajani Chaubey and other teachers were present.

The second day of the program started with the Technical Session 2 which was chaired by Dr.

Niraj Kumar Singh. Mr Krishnamohan Tiwari, Ms Kriti Singh, Mr Faizan Raza, and Ms Muskan Singh participated in the paper presentation. Kriti Singh compered the session. The valedictory session started with the welcome note by Ms Muskan Singh. The special guest at the closing ceremony was Prof. Ram Sharma. The program was presided over by Dr. Sarita Pandey. Prof. Ram Sharma took a very interesting session on "Psychoanalysis in Julius Caesar."

In which he explained how literature can be understood. And at the same time, he asked to work in the direction of theater, creative writing and ecological criticism in the campus. Welcoming these suggestions, Dr. Pandey said that she has already taken this initiative in the university. She is the coordinator of the theater, and it is functional as well. She also said that work is in progress on creative writing and ecological criticism. While delivering her lecture, she suggested the students that a comparative study of Indian and Western literary theory should be done. Dr. Sarita Pandey also introduced Indian theory like Rasa theory which was written in approx. 500 BCE and Natyashastra by Bharat Muni, which has 36 chapters and 6000 verse, secondly, she talked about Dhvanyalok by Anandavardhna, where he deals with the Dhvani theory. The seminar was concluded with the vote of thanks proposed by Mr. Jitendra Pandey.

मीडिया में विश्वविद्यालय

जेएनसीयू में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मनाया गया विश्व साइकिल दिवस

बलिया 03 जून। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण और निर्देशन में विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। जिसका मुख्य शीर्षक राइडिंग टुगेदर फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में साइकिल रैली आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भवन से राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा निकाली गई और रैली बसन्तपुर गांव तक जन जागरूकता फैलायी। इस कार्यक्रम में प्रभारी निदेशक शैक्षणिक डॉ अजय कुमार चौबे ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के साथ ही वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए समाज पर साइकिल के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलसचिव एस० एल० पाल ने बताया कि साइकिल एक सस्ता और टिकाऊ परिवहन है और समाज को स्वस्थ्य रखने का काम करती है और यह धूल प्रदूषण को कम करके वातावरण को स्वच्छ और अनुकूल बनाने में उपयोगी है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ लाल विजय सिंह ने बताया कि साइकिल से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि रोजाना साइकिल चला कर अपने आपको तो स्वास्थ्य रखेंगे तथा अनेकों बीमारियों को भी दूर कर सकते हैं। और साथ ही अपने पर्यावरण को भी दूषित होने से बचा सकते हैं। इस कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ० अमित सिंह, सुश्री ट्विंकल वर्मा, श्रीमती पूजा सिंह, डॉ अजीत जायसवाल, डॉ करुणेश दूबे, डॉ खुश्बू, डॉ० विनय कुमार, डॉ आर एन सिंह, डॉ शैलेन्द्र सिंह, डॉ शशि प्रकाश शुक्ला एवम् अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में हाईटेक नर्सरी की होगी स्थापना

शकुन टाइम्स संवाददाता

बलिया। में जन-नायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में किसानों के उन्नत पौधों के स्वस्थ एवं उन्नत किस्मों की पौधों किसानों को उपलब्ध कराने के लिए हाईटेक नर्सरी की स्थापना होगी। इस नर्सरी की स्थापना के लिए जिला उद्यान अधिकारी अलका श्रीवास्तव ने जेएनसीयू के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के साथ विश्वविद्यालय परिसर में स्थलीय पर्यवेक्षण किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने जब प्रवास नगर आगमन में बलिया जनपद को सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। उनके द्वारा निर्देश के क्रम में कमिश्नर द्वारा पहल की गयी थी। जिसमें जेएनसीयू को इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करते हुए एक हाईटेक नर्सरी स्थापना की स्वीकृत हुई थी। इस नर्सरी की स्थापना के लिए जिला उद्यान अधिकारी अलका श्रीवास्तव ने जेएनसीयू के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के साथ विश्वविद्यालय परिसर में स्थलीय पर्यवेक्षण किया।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही एक प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी, जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। टमाटर, बैंगन, फूलगोभी, पत्तागोभी, मिर्च आदि मौसमी सब्जियों की खेती के लिए किसानों को उन्नत एवं स्वस्थ किस्म के पौधों को उपलब्ध कराना इस नर्सरी का उद्देश्य होगा। उल्लेखनीय है कि इंडो- इजरायल सहयोग के अंतर्गत उद्यान विभाग के द्वारा सब्जियों की खेती बिना भूमि के उपयोग के एक कृत्रिम वातावरण (पॉलीहाउस) में करने के लिए एक परियोजना चलाया गया में कृषि विधि, सरकारी कृषि फार्मों एवं उन विधि में जहाँ कृषि की पढ़ाई होती है चलाई जा रही है।

सब्जियों के उत्पादन में सबसे महत्वपूर्ण योगदान बीज और पौधों का होता है। नर्सरी का पौधा स्वस्थ न हो तो उत्पादन एवं गुणवत्ता पर असर पड़ता है।

इस हाईटेक नर्सरी की स्थापना से बलिया जनपद के किसानों को बहुत लाभ प्राप्त होगा। जेएनसीयू के उद्यान विभाग के प्राध्यापकों डॉ. अमित सिंह व डॉ. सत्यविजय सिंह की देख-रेख में उद्यान विभाग के विद्यार्थी यहाँ प्रयोग व अनुसंधान भी कर सकेंगे।

पुण्यतिथि पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री

संगोष्ठी का आयोजन

शशिकांत ओझा, ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

बलिया : जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी को पुण्यतिथि के अवसर पर ह्रजननायक चन्द्रशेखर के व्यक्तित्व के विविध आयामह्र विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

यह संगोष्ठी कुलपति, प्रो० संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चन्द्रशेखर के निकटवर्ती सहयोगी हरिमोहन रहे। उन्होंने चन्द्रशेखर के व्यक्तित्व के विविध पक्षों पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। कहा कि चन्द्रशेखर वाणी और मयार्दा के प्रतीक थे। उनकी भाषा कभी अमर्यादित नहीं हुई। वे आदर्श राजनीति की मिशाल थे। चन्द्रशेखर सम्पादक भी थे और उनकी सम्पादकीय टिप्पणी को राष्ट्रीय स्तर पर गम्भीरता से लिया जाता था। कार्यक्रम में बीज वक्तव्य चन्द्रशेखर नीति अध्ययन केन्द्र एवं शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ० प्रवीण नाथ यादव ने दिया। उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर वैचारिक राजनीति के पुरोधा थे। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। गरीबी, शोषण एवं विषमता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। चन्द्रशेखर के सहयोगी रहे आशीष कुमार सिंह ने कहा कि आज के समय में चन्द्रशेखर के विचार सर्वाधिक प्रासंगिक हैं। राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ० छबिलाल ने बताया कि श्री चन्द्रशेखर ने अवसरवादी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं किया। वे परिवारवाद के मुखर विरोधी थे। अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ० रामसरन यादव ने कहा कि चन्द्रशेखर ने संकट की घड़ी में देश को आर्थिक संकट से उबारा था।

संगोष्ठी में सबका स्वागत डॉ० अभिषेक त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० मनोज जायसवाल एवं संचालन डॉ० नीरज कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थीगण सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कहा कि आज़ादी के 76 सालों में देश ने विकास के कई लक्ष्य हासिल किये हैं और कई अभी शेष हैं। ऐसे अप्राप्त लक्ष्यों की प्राप्ति में कर्तव्यनिष्ठ, कार्यकुशल युवा पीढ़ी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। विवि का

काम ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का सम्यक् निर्वहन कर सकें। एनइपी में ऐसी ही युवा पीढ़ी के निर्माण की बात की गयी है। कहा कि आज़ादी के इस दिन हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करना चाहिए और उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर कुलपति की अर्धांगिनी डॉ. नीरा गुप्ता, कुलसचिव एस एल पाल, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. फूलबदन सिंह, प्रो. ओंकार सिंह, प्रो. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. अजय चौबे, डॉ. प्रियंका सिंह आदि प्राध्यापक, विद्यार्थी, कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने बताया कि परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में एम. काम., बी. एस- सी. कृषि, एम. एस-सी. कृषि हार्टीकल्चर व एग्रोनॉमी विषयों में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त शेष बचे सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 01 अगस्त से 08 अगस्त तक संचालित की जायेगी। वे विद्यार्थी जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन पत्र भरा है, वे किसी भी कार्यदिवस में प्रात: 10.00 बजे से सायं 04.00 बजे के मध्य सभी आवश्यक प्रपत्रों के साथ विवि परिसर में काउंसिलिंग कराने के लिए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।। काउंसिलिंग के बाद ही विद्यार्थी पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रवेशशुल्क जमा करेगा, जिसके बाद ही प्रवेश पूरा होगा।

सशक्त एसएसआर रिपोर्ट बनने के बाद ही नैक मूल्यांकन को दाखिल किया जाए : राज्यपाल

[illegible]

जे एन सी यू में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स जनपद में पर्यटन विकास और अंग्रेजी विभाग, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा जय प्रकाश नारायण सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अरविन्द कुमार मिश्र , पूर्व प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता, कला एवं मानविकी संकाय, महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य विषय झ्रशोध प्रविधिः इतिहास एवं उसका विकासझ्झ वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के शोध एवं परियोजना के आकड़ों को एकत्र करने में शोध

प्रविधि का अपना महत्वपूर्ण योगदान होता है।

शोध प्रविधि के प्रयोग के बगैर सही प्रकार से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है, साथ ही साहित्यिक चोरी का भी ध्यान रखना चाहिए। अर्थात शोध में उपयोग किए गए आंकड़े पूर्ण रूप से प्रमाणित होने चाहिए। इसके अलावा अगर किसी भी साहित्य का उपयोग किया जाता है तो उसका संदर्भ दिया जाना आवश्यक होता है। कार्यक्रम में शामिल सभी सदस्यों का स्वागत सेन्टर आफ एक्सीलेन्स के समन्वयक, डॉ अजय कुमार चौबे ने किया। कार्यक्रम के अन्त में सेन्टर आफ एक्सीलेन्स के सह-समन्वयक, डॉ छबिलाल ने सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सेन्टर आफ एक्सीलेन्स की सह-समन्वयक डॉ सरिता पाण्डेय ने किया।

जे एन सी यू में अगस्त क्रांति और बलिया' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर 'अगस्त क्रांति और बलिया' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. जैनेंद्र कुमार पाण्डेय, श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कालेज ने कहा कि बलिया की क्रांति की कुछ ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे विश्व की महत्वपूर्ण क्रांतियों में शुमार करती है। मसलन यह क्रांति जाति, वर्ग और लिंग भेद से परे थी और सच्चे अर्थों में बहुलतावादी थी। यह क्रांति जनांदोलन के रूप में स्वतःस्फूर्त थी और इसके परिणाम स्वरूप जनता की सरकार स्थापित हुई थी और जिसका प्रशासन सुव्यवस्थित था। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए, कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि बलिया क्रांतिकारियों, बलिदानियों की धरती है और प्रणम्य है। युवाओं को इस क्रांति के चरित्र को आत्मसात करना चाहिए। आज भी युवाओं को संघर्ष करने की आवश्यकता है-

देश के निर्माण के लिए, देश के विकास के लिए। कहा कि युवाओं को आत्मविकास के लिए समर्पित होने की आवश्यकता है। विषय प्रवर्तन करते हुए प्राचीन इतिहास के प्राध्यापक डॉ. अमृत आनंद सिन्हा ने 1942 के आंदोलन में हुई बलिया की क्रांति का विस्तार से वर्णन किया। बताया कि 10 अगस्त 1942 से जो बलिया में क्रांति का ज्वार फूटा उसमें 13 अगस्त को कचहरी पर राष्ट्र ध्वज फहरा, 14 अगस्त को केलवराईड, 15 अगस्त को बैरिया, सिकन्दरपुर, नहीं, रतसड़, रेवती, चौरा, हलधरपुर, चितबड़ागांव, 16 अगस्त को रसड़ा, सहतवार, बांसडीह आजाद हुए। बैरिया थाने पर राष्ट्र ध्वज फहराने के क्रम में कौशल कुमार और 17 लोगों ने शहादत दी थी। अंत में जिलाधीश जे निगम ने 19 अगस्त 1942 को चित्तू पाण्डेय को शासन की बागडोर सौंपी थी।

जे एन सी यू में भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के निर्देशन में भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह के अंतर्गत निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हमारे ग्रह एव पर्यावरण की रक्षा करना विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एवं नये अन्तरिक्ष युग की ओर विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विवि परिसर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अन्तरिक्ष विज्ञान में भारत की सशक्त उपस्थिति को विद्यार्थियों ने अपने भाषण में प्रस्तुत किया। इसरो की कामयाबी और चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता से गौरवान्वित विद्यार्थियों के विचारों में अन्तरिक्ष विज्ञान के प्रति बढ़ता आकर्षण व्यक्त हुआ। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय चैबे एवं डॉ. विनय प्रताप वर्मा प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान, विवि परिसर ने किया। कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा मिश्रा निदेशक, शैक्षणिक, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. गोपाल कृष्ण गुप्ता, डा. छबिलाल, डॉ. रामशरण , डॉ. शैलेन्द्र सिंह आदि प्राध्यापक एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्मेलन में जो सीखा, उसे अमल में लाने का करें प्रयास

बोले प्रो. संजीत कुमार

जेएनसीयू में अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जनसंदेश न्यूज

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में उन्मेष (शिक्षा मंथन 2023: एक अनुवर्तन) विषयक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षा मंथन 2023 सम्मेलन जो कि कानपुर में आयोजित हुई थी, के प्रतिभागियों द्वारा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को नैक, विवि की अखिल भारतीय, एशियाई व विश्व रैंकिंग, एनईपी 2020 के क्रियान्वयन आदि विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ.विनीत कुमार सिंह ने विवि किस प्रकार अखिल भारतीय स्तर पर अच्छा रैंक प्राप्त कर सकता है, के विषय में बताते हुए एनआईआरएफ रैंकिंग की

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति एवं अन्य

प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. अजय कुमार चौबे ने नैक की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। विवि के द्वारा नैक मूल्यांकन की तैयारी करने और अच्छा ग्रेड पाने के लिए समुचित सुझाव भी दिये। डॉ. प्रियंका सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियां और उनके समाधान पर चर्चा की। डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय ने भारतीय भाषाओं में शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की आवश्यकता पर बात की।

डॉ.पुष्पा मिश्रा ने विभिन्न विषयों पर हुए विमर्शों का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसकी उपादेयता का निरूपण किया। कुलपति प्रो.संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि किसी भी सम्मेलन में प्रतिभाग करने के बाद उससे प्राप्त अनुभवों का उपयोग संस्था के सभी सदस्य कर सकें, इसके लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है। इस सम्मेलन से हमने जो सीखा है, उसमें से अपनी प्राथमिकता के बिंदुओं की तलाश कर उसको अमल में लाने के लिए प्रयत्न करने होंगे।

शिक्षक प्रशिक्षण उत्कृष्टता केंद्र के संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्घाटन

–जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय

–काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. श्रीप्रकाश पांडेय रहे मुख्य अतिथि

शशिकांत ओझा, ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षण उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्घाटन विवि सभागार में मंगलवार को हुआ। 'भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता' विषयक इस कार्यक्रम को समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. श्री प्रकाश पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा जानने के साथ देखने, अनुभव के साथ अनुभूति के सहभाव एवं संशय से मुक्ति की रही है। कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा वाद, प्रतिवाद और संवाद की रही है, इसमें तत्त्व चिंतन पर बल दिया गया है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि कई सदियों तक भारतीय ज्ञान परम्परा को मिटाने का प्रयास किया गया अब 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के तहत इन्हें पुनः व्यवहार में लाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि इस आयोजन के द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा से उन सूत्रों को निकाला जाये जिससे 21 वीं सदी में शिक्षकों के शिक्षण कौशल का विकास हो सके। सप्ताह पर्यंत चलने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. गुंजन कुमार ने प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र में प्रो. देव नारायण पाठक, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने 'शिक्षा में व्याकरण के महत्व' पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ.स्मिता, अतिथि स्वागत डॉ. प्रियंका सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा बौद्ध ने किया। इस अवसर पर डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. तृप्ति तिवारी आदि विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक तथा छात्र उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में वार्षिक परीक्षा बी०काम० तृतीय वर्ष का एक सप्ताह में परिणाम घोषित

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा 17 जून को सम्पन्न हुई थी। जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक सप्ताह में परिणाम घोषित करने का संकल्प लिया था। जिसके परिणाम स्वरूप सत्र 2022-23 की वार्षिक परीक्षा बी०काम० तृतीय वर्ष का परीक्षाफल कुलपति

प्रो० संजीत कुमार गुप्ता एवं कुलसचिव/परीक्षा नियंत्रक एसएल पाल के द्वारा घोषित किया गया। कुलपति ने बताया कि वार्षिक परीक्षाफल में 92.07 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। विश्वविद्यालय के 11 महाविद्यालयों में 808 पंजीकृत छात्र थे। जिसमें 744 छात्र उत्तीर्ण एवं 64 अनुत्तीर्ण हुए हैं। प्रथम श्रेणी में 151 छात्र, द्वितीय श्रेणी में 520 छात्र तथा तृतीय श्रेणी में 63 छात्र हैं। 10 छात्रों का राष्ट्रगौरव, पर्यावरण में अनुत्तीर्ण होने के कारण श्रेणी प्रदान नहीं की गई है। कुलपति ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामना देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं अनुत्तीर्ण छात्र भी सफल होने के लिए प्रयास करें।

जेएनसीयू में कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने पौधरोपण अभियान का श्रीगणेश किया

बलिया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में पौधरोपण अभियान का श्रीगणेश किया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूरे प्रदेश में विशेष पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जेएनसीयू और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासन द्वारा दिये गए निर्देश के क्रम में अपने परिसर एवं प्रांगण में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस क्रम में जेएनसीयू परिसर में नीम के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव एस. एल. पाल, निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा सहित परिसर के सभी प्राध्यापकों ने भी पौधरोपण किया तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। परिसर के कृषि संकाय के प्राध्यापक डॉ. अमित सिंह एवं डॉ. लालविजय सिंह के नेतृत्व में कृषि विभाग के विद्यार्थियों ने इस अभियान में बढ़- चढ़कर प्रतिभाग किया।

जेएनसीयू में मनाया गया एंटी रैगिंग दिवस

बलिया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के निर्देशन व संरक्षण में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में (12 अगस्त) को एंटी रैगिंग दिवस के रूप में मनाया गया। विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार की रैगिंग गतिविधियों पर विराम लगाकर परिसर में स्वस्थ वातावरण निर्मित हो, कार्यक्रम का यही उद्देश्य था। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में जागरूकता आती है। इस कार्यक्रम में 'रैगिंग एक दंडनीय अपराध है', 'ना करेंगे ना सहेंगे' थीम पर आधारित एक डॉक्यूमेन्टरी भी दिखाई गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिलीप कुमार मद्धेशिया ने कहा कि विवि परिसर पूर्णतः रैगिंग मुक्त है। यदि कोई विद्यार्थी रैगिंग में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ एंटी रैगिंग नियम के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। हम विश्वविद्यालय में स्वस्थ माहौल बनाने के लिए संकल्पित हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री एस.एल. पाल, शैक्षणिक निदेशक डॉ. पुष्पा मिश्रा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. अजय कुमार चौबे, एंटी रैगिंग सेल के सदस्य डॉ. नीरज कुमार सिंह, सुश्री सौम्या तिवारी, डॉ. तृप्ति तिवारी एवं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हर किसी को करना चाहिए 'रामचरितमानस' का अध्ययन

- जेएनसीयू में मनाई गई गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती
- जिले के प्रतिष्ठित साहित्यकार व कवियों को किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, बलिया : गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अयोध्या शोध संस्थान (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार राजेश्वर प्रसाद गुप्त 'राजगुप्त', अक्षय बिहारी 'मिलन्द', डा. भोला प्रसाद 'आग्नेय', रमाशंकर प्रसाद 'मनहर' एवं शशि कुमार सिंह 'प्रेमदेव' को सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि इस देश में ऐसे रचनाकार, साहित्यकार हमेशा समाज को दिशा-निर्देश देने के लिए मौजूद रहे। तुलसीदास जैसे कवियों ने इस देश की अस्मिता का निर्माण किया है। हमें उनके ग्रंथ 'रामचरितमानस' का अध्ययन करना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. जैनेंद्र कुमार पांडेय, टी डी कालेज ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की प्रासंगिकता पर बात की। डा. अभिषेक मिश्र, सहायक आचार्य, हिन्दी, जेएनसीयू ने रामकाव्य परंपरा की बात की। ब्रजमोहन प्रसाद अनारी ने तुलसीदास की वर्तमान प्रासंगिकता पर ध्यान दिया। रमाशंकर 'मनहर' ने तुलसीदास पर लिखी अपनी कविता प्रस्तुत की। संयोजक शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डा. प्रमोद शंकर पांडेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डा. शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में सोनू यादव और तरुण ने भजन और तुलसीदास की चौपाइयों का गायन किया। डा. पुष्पा मिश्रा, डा. संदीप यादव, डा. प्रवीण यादव आदि मौजूद रहे।

व्यावसायिक कौशल भी निखार रही नई शिक्षा नीति : कुलपति

मातृभाषा में शिक्षण पर बल देने से प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाना, समझाना हो रहा है सुगम

संवाद सूत्र, बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में एनइपी के तीन वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का शिक्षा पर प्रभाव विषय पर रविवार को संगोष्ठी हुई। इसमें कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थी हित में है।

यह नीति विद्यार्थियों के लिए अध्ययन को सुगम बनाने के साथ ही उनमें व्यावसायिक कौशल का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि इसमें बहुस्तरीय प्रवेश की व्यवस्था से बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को फिर से पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है। मातृभाषा में शिक्षण पर बल देने से प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाना, समझाना सुगम हो रहा है।

निदेशक शैक्षणिक डा. पुष्पा मिश्रा ने एनइपी के व्यावहारिक पक्ष पर बल दिया। कहा कि यह नीति विद्यार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उन्हें कार्य कुशल बनाती है। सह आचार्य अंग्रेजी डा. अजय चौबे ने कहा कि एनइपी से विद्यार्थियों के अंदर की प्रतिभा उजागर करने में मदद मिल रही है।

विद्यार्थी अपने विषय से इतर दूसरे विषयों में भी निपुणता हासिल कर रहे हैं। संचालन डा. प्रमोद शंकर पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव एसएल पाल ने किया।

इस अवसर पर डा. अभिषेक त्रिपाठी, डा. विनीत सिंह, डा. स्मिता, डा. संदीप, डा. नीलमणि आदि प्राध्यापक और परिसर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेएनसीयू में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बलिया (मान्यवरप्पूरी)। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के परिसर में बुधवार को नौवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नीरज शेखर, सांसद, राज्यसभा ने कहा कि योग से जटिल एवं असाध्य बीमारियों को भी ठीक किया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में 45 मिनट योगाभ्यास के लिए देना चाहिए, इससे शरीर एवं मन स्वस्थ, सजग एवं सतर्क रहते हैं। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि योग के विभिन्न आयाम हैं। योग शब्द का सामान्य अर्थ जोड़ना भी कई तरह से घटित हो सकता है। जैसे एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं वैसे ही हम सबके सामूहिक प्रयासों से योग हर घर आँगन तक पहुँचेगा। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक सत्यार्थ प्रकाश तिवारी द्वारा योग के विभिन्न पहलुओं आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि के बारे में सारगर्भित व्याख्या दिया गया। विवि के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के प्राध्यापक डॉ. अखिलेश यादव द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन आदि आसन तथा नाड़ीशोधन, भ्रामरी, शीतली आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। उक्त कार्यक्रम में अतिथि स्वागत निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस. एल. पाल ने किया। इस अवसर पर परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण डॉ. अजय चौबे, डॉ. लाल विजय सिंह, डॉ अमित सिंह शैलेन्द्र सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ. विनीत सिंह, प्रो. साहेब दूबे, प्रो. फूलबदन सिंह, प्रो. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. संदीप यादव सहित अन्य प्राध्यापक गण एवं परिसर के कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

अमर उजाला | लखनऊ • शनिवार • 3 जून 2023 | 5

न्यूज डायरी

जनजातीय कला को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए एमओयू

लखनऊ। जनजातीय कला का संरक्षण व संवर्द्धन कर इसे भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए संस्कृति विभाग व जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया मिलकर काम करेंगे। इसके लिए शुक्रवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय व संस्कृति विभाग के लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के बीच एमओयू किया गया। इस मौके पर जयवीर सिंह ने कहा कि दोनों संस्थान अपने अनुभव, क्षमता व दक्षता के माध्यम से जनजातीय कला को समृद्ध बनाने में एक-दूसरे के साथ समन्वय करेंगे। ब्यूरो

शिक्षा मंथन 2023 में शामिल होने गई जेएनसीयू की टीम

कानपुर में आयोजित शिक्षा मंथन 2023 जेएनसीयू के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता में प्रतिभाग करने पहुंची जिले की टीम। संवाद

बलिया। प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव एवं प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल का विशेष सम्मेलन शिक्षा मंथन 2023 छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में 8 एवं 9 जुलाई को हो रहा है।

सम्मेलन में सभी शिक्षा संस्थाओं में गुणवत्ता परिवर्तन के लिए एनहैंसिंग इंस्टीट्यूशनल एक्सीलेंस: ए फोकस ऑन नैक, एनआइआरएफ, क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग्स एंड एनइपी- 2020 इंप्लीमेंटेशन के लिए आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश के सभी 34 राज्य विश्वविद्यालय प्रतिभाग कर रहे हैं।

इस सम्मेलन में देश के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ाने और नैक, शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन करने के तौर- तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उद्घाटन कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किया। संवाद

जेएनसीयू में सकुशल सम्पन्न हुई प्रवेश परीक्षा

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में रविवार को परिसर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रातःकाल एम. काम., एम. एस- सी. (कृषि) एग्रोनॉमी (शस्य विज्ञान) तथा हार्टीकल्चर (उद्यान विज्ञान) की तथा अपराह्न सत्र में बी. एस- सी. (कृषि) की परीक्षाओं का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने भी परीक्षा की शुचिता को परखने के लिए परीक्षा कक्षों का स्वयं पर्यवेक्षण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को जेएनसीयू में आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण का संकल्प लेते विधायक केतकी सिंह व कुलपति प्रो. संजीत गुप्ता।

विश्वविद्यालय में विधायक ने किया पौधरोपण

बलिया। पर्यावरण दिवस पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण व संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि बांसडीह विधायक केतकी सिंह, कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता व अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राओं ने परिसर में कदम्ब, नीम एवं पाकड़ आदि के 51 पौध रोपित किए। इसके बाद 'हरित जीवन शैली' विषयक संगोष्ठी हुई। कुलपति ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस दौरान कुलसचिव एसएल पाल, डॉ. लाल विजय सिंह, डॉ. अजय कुमार चौबे, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. अमित सिंह, दिग्विजय वर्मा, डॉ. ... दूबे, डॉ. पूजा सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. ... प्रकाश शुक्ल, कृष्ण गोपाल गुप्त, डॉ. अजीत जायसवाल, डॉ. विनीत शाही, डॉ. ... दुबे, डॉ. ... सिंह, ... त्रिपाठी, ... चौहान आदि थे।

जेएनसीयू में नैक मूल्यांकन हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में विवि के नैक मूल्यांकन हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि ... विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में नैक के सभी मानकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ... उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने विवि के ... स्वागत किया। इस अवसर पर नैक के मानकों की प्रस्तुति डॉ. अजय चौबे, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. ... डॉ. प्रियंका सिंह ... । अतिथि स्वागत डॉ. पुष्पा मिश्रा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।

प्रभात फेरी निकाल किया जागरूक

[illegible]

कुलगीत

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, विमल शिक्षा सदन।
बलिया का आध्यात्मिक क्षितिज गंगा का पावन संगमन ।1।

यह नवल नालन्दा, विमल विज्ञान-ज्ञान-कला-निलय।
है लक्ष्य जिसका-प्रेम से लौकिक विषमता का शमन।2।

यह जाति-वर्ग-विभेद से परिमुक्त, है गुरुकुल नवल।
राष्ट्रीयता, नवबन्धुता का कर रहा है पल्लवन।3।

स्नातक बनें परिपूर्ण मानव खण्ड-चिन्तन हो नहीं।
बोलें, चलें, सोचें सभी इक संग, तुल्य सदाचरण।4।

अध्यात्मरस से सींच कर सबको यथोचित ज्ञान दे।
संस्थान है यह कर रहा प्रस्थान का नूतन सृजन ।5।

यह रम्य पूर्वांचल, दिशा यह दीप्त उदयादित्य की।
कर्मस्थली जिन-बुद्ध की यह लोकसंस्कृति का भवन।6।

यह मृत्तिकाचषकों में ज्ञानामृत पिलाती भूमि है।
यह लोक भी है, वेद भी है सर्व धर्म-समन्वयन।7।

इस रम्य विद्याभूमि से ऐसी फसल तैयार हो।
जो विषमता को तोड़ समता का कराए आचमन।8।

हो नित विजयिनी शारदा श्री चन्द्रशेखर हों अमर।
बलिया कलित हो कीर्ति से भृगु-दर्दरी का आभरन।9।

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:

Jananayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com